TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

Teachers of Bihar

The change makers

TEACHERS OF BIHAR THE CHANGE MAKERS

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

19 अप्रैल

1. **आर्यभट्ट' उपग्रह का प्रक्षेपण–** भारत ने अपना पहला कृत्रिम उपग्रह 'आर्यभट्ट' को प्रक्षेपित किया। इसका प्रक्षेपण वैज्ञानिक कार्यों हेतु किया गया था। यह 17 वर्षों तक कार्यशील रहा। इस भारत के स्वदेशी उपग्रह यान को सोवियत संघ के बैकानूर प्रक्षेपण केन्द्र से कॉस्मोस प्रक्षेपण यान द्वारा सफलतापूर्वक 19 अप्रैल, 1975 ई. को प्रक्षेपित किया गया था। इस 360 किग्रा. भार के उपग्रह को भारतीय अंतरिक्ष शोध संस्थान 'इसरो' द्वारा प्रो0 यू. एन. राव के नेतृत्व में निर्मित किया गया था।

2. **चम्पारण सत्याग्रह की शुरूआत–** बिहार के चम्पारण जिले के किसानों को अपनी जमीन के 3/20वें हिस्से में नील की खेती करना अनिवार्य था। इसे तिनकठिया पद्धति कहते थे। राजकुमार शुक्ल के बुलावे पर 10 अप्रैल, 1917 ई. को गांधी जी चम्पारण पहुँचे। गांधी जी ने अपने सहयोगियों डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद, जे. बी. कृपलानी, महादेव देसाई, सी. एफ. एंड्रूज, डॉ0 अनुग्रह नारायण सिंह के साथ गाँवों का दौरा किया। किसानों ने अपने ऊपर होने वाले अत्याचारों की कहानी सुनाई और सहायता की माँग की। 16 अप्रैल, 1917 ई. को चम्पारण के जिला मजिस्ट्रेट डब्ल्यू बी. हेकॉक ने गांधी जी को चम्पारण छोड़ने का आदेश दिया गया। परंतु उन्होंने आदेश का उल्लंघन किया और किसानों को जेल/मुकदमें के लिए तैयार रहने को कहा। मजबूरन सरकार ने पिछला आदेश रद्द कर दिया। सरकार द्वारा किसानों के समस्याओं के निराकरण के लिए 'चम्पारण एग्रेरियन समिति' गठित किया जिसके एक सदस्य स्वयं गांधी जी थे। अंततः तिनकठिया पद्धति को समाप्त कर दिया तथा किसानों की समस्याओं में कमी हुई। यह आंदोलन भारत में महात्मा गांधी का पहला सत्याग्रह आंदोलन था। इस सत्याग्रह के कुशल नेतृत्व से अभिभूत होकर रवीन्द्रनाथ टैगोर ने गांधी जी को 'महात्मा' की उपाधि से विभूषित किया था।
   - **संदर्भः** बच्चों को **अतीत से वर्तमान भाग 3, अध्याय 12**, पृष्ठ 196 से जोड़कर चर्चा करें।

3. **बहलोल लोदी का दिल्ली पर कब्जा–** बहलोल लोदी दिल्ली का प्रथम अफगान शासक था। वह 19 अप्रैल, 1451 ई. को 'बहलोल शाह गाजी' की उपाधि धारण करके दिल्ली का सुल्तान बना। उसने भारत पर 1451ई. से 1489 ई. तक शासन किया। उसने 'बहलोल सिक्के' का अपने राज्य में प्रचलन कराया।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान, भाग 2 अध्याय 3**

4. **विश्व यकृत दिवस–** बदलती जीवनशैली और गलत खानपान के आदतों के कारण यकृत से संबधित बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। अतः यकृत से संबंधित रोगों के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 19 अप्रैल को विश्व यकृत दिवस मनाया जाता है।

F r i d a y

Madhu priya

दिवस विशेष

19 अप्रैल

मधु प्रिया

विश्व यकृत (लीवर) दिवस 19 अप्रैल

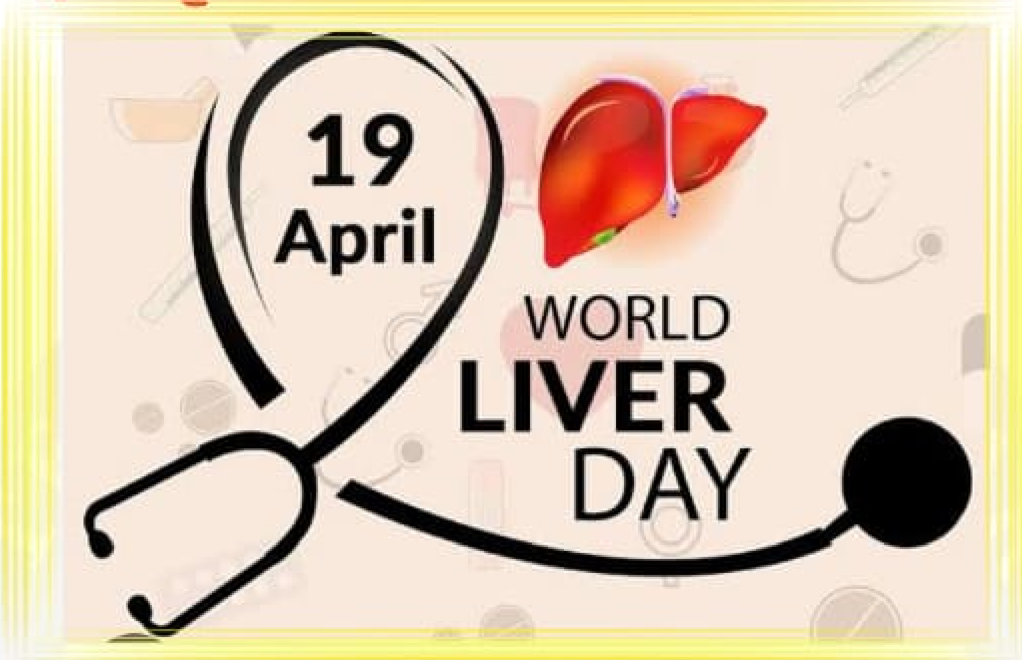

विश्व यकृत (लीवर) दिवस World Liver Day) यकृत (लीवर) से संबंधित बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 19 अप्रैल को मनाया जाता है। यकृत मस्तिष्क को छोड़कर शरीर का सबसे जटिल और दूसरा सबसे बड़ा अंग हैं। यह आपके शरीर के पाचन तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हम जो भी खाते और पीते अथवा दवाइयाँ लेते हैं, वे सभी यकृत से होकर गुजरती हैं। आप यकृत के बिना जीवित नहीं रह सकते हैं। यह एक ऐसा अंग है कि यदि आप अपने लीवर की उचित तरीके से देखभाल नहीं करते है, तो उसे आसानी से नुकसान पहुँच सकता हैं।मानव शरीर में यकृत (लीवर) के महत्व को समझने तथा लोगो को जागरूक करने हेतु विश्व यकृत दिवस (डब्लूएलडी) हर साल 19 अप्रैल को मनाया जाता है। 2018 में स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किया, जिसका उद्देश्य भारत में वायरल हेपेटाइटिस को रोकना और नियंत्रित करना है।

जन्मदिन विशेष 19 अप्रैल

राकेश कुमार

अंजू बॉबी जॉर्ज *Anju Bobby George)* भारत की प्रसिद्ध एथलीट हैं। अंजू ने सितम्बर 2003, पेरिस में हुए वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनसिप लंबी कूद में कांस्य पदक जीत कर भारत को पहली बार विश्वस्तर की प्रतियोगिता में पुरस्कार दिलाया था। अंजू बी. जॉर्ज वर्ष 2003 में 25 वर्ष की उम्र में विश्व एथलेटिक्स में भारत की प्रथम पदक विजेता बनी। एक नज़रिये से देखा जाए तो अंजू का प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स को नई दिशा देने की पहल है। इससे पहले भारत का नाम एथलेटिक्स में जरा-सी चूक के लिये जाना जाता था। 2004 में अंजू बॉबी जॉर्ज को 'राजीव गाँधी खेल रत्न' सम्मान प्रदान किया गया।

Teachers of Bihar

The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 19.04.2024

पाठ सामग्री

पाठ सामग्री किसी भी सीखने के अनुभव की रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करती है। यह शिक्षार्थियों को नई अवधारणाओं को समझने, कौशल हासिल करने और विषय वस्तु की उनकी समझ को व्यापक बनाने के लिए आवश्यक जानकारी और मार्गदर्शन देता है। अच्छी तरह से डिज़ाइन की गई और आकर्षक पाठ सामग्री प्रभावी शिक्षण और सीखने की नींव रखती है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

आईपीएल की कमेंट्री करने के दौरान सुरेश रैना ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया है की महेंद्र सिंह धोनी अगले साल भी आईपीएल खेलेंगे।

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

cricket

WISDEN
CRICKETERS' ALMANACK

द फाइव विजडन क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर

मिशेल स्टार्क
ऑस्ट्रेलिया

उस्मान ख्वाजा
ऑस्ट्रेलिया

एशले गार्डनर
ऑस्ट्रेलिया

हैरी ब्रूक
इंग्लैंड

मार्क वुड
इंग्लैंड

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 364

भारत मे प्रथम टेस्ट ट्यूब बेबी "हर्षा" का जन्म किस वर्ष हुआ था ?

A. वर्ष 1971

B. वर्ष 1986

C. वर्ष 1990

D. वर्ष 1992

www.teachersofbihar.org

सही उत्तर: B

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

एक भारतीय शिक्षाविद, आर्य समाज आंदोलन के संस्थापक स्वामी दयानंद के अनुयायी, दयानंद एंग्लो-वैदिक स्कूल सिस्टम (DAV) की स्थापना करने वाले

महात्मा हंसराज

जी की पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन।

जन्म- 19 अप्रैल 1864 - मत्यु - 14 नवंबर 1938

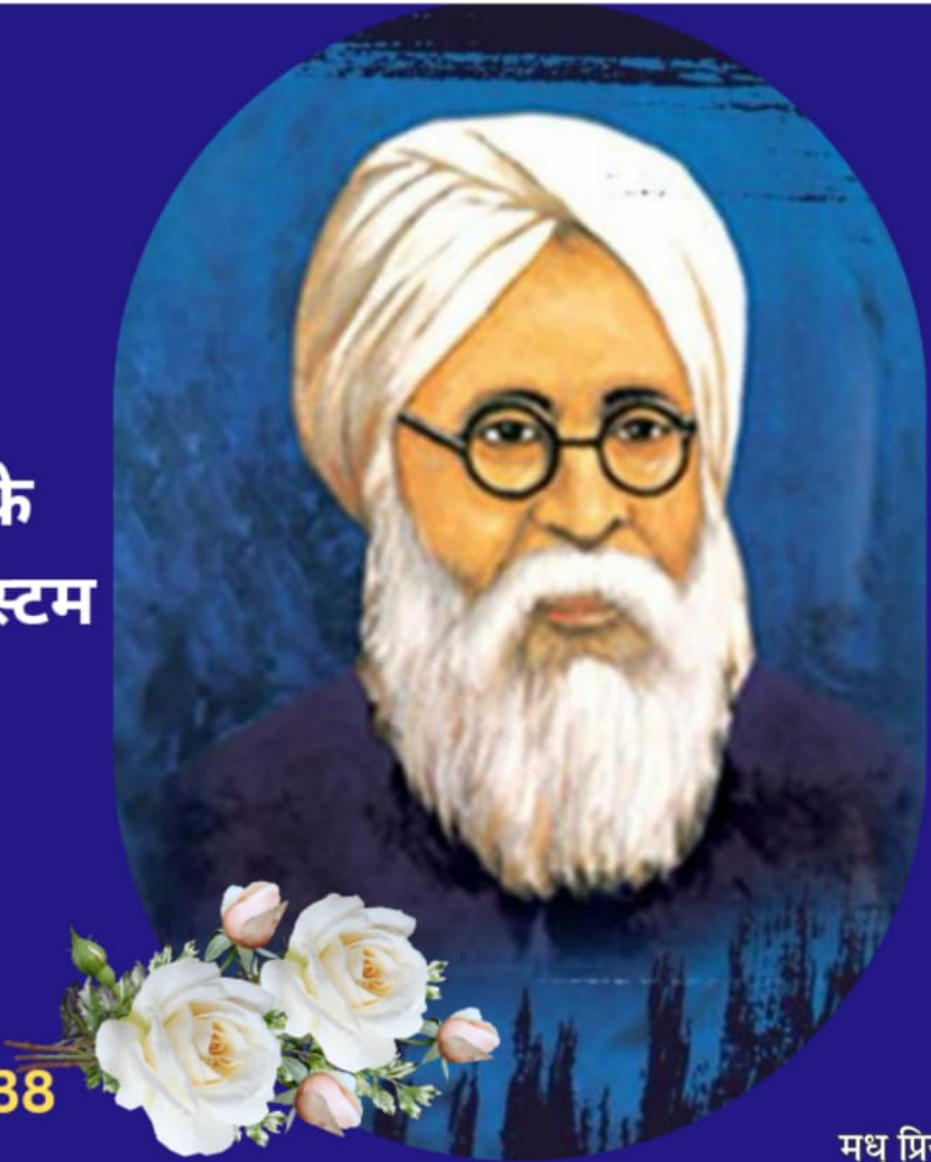

मधु प्रिया

भारत के युवा क्रांतिकारियों में देश की आज़ादी के लिए शहीद होने वाले युवाओं में गिने जाने वाले

अनंत लक्ष्मण कान्हेरे

जी की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।

जन्म- 7 जनवरी 1892 - मृत्यु- 19 अप्रैल 1910

मधु प्रिया

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

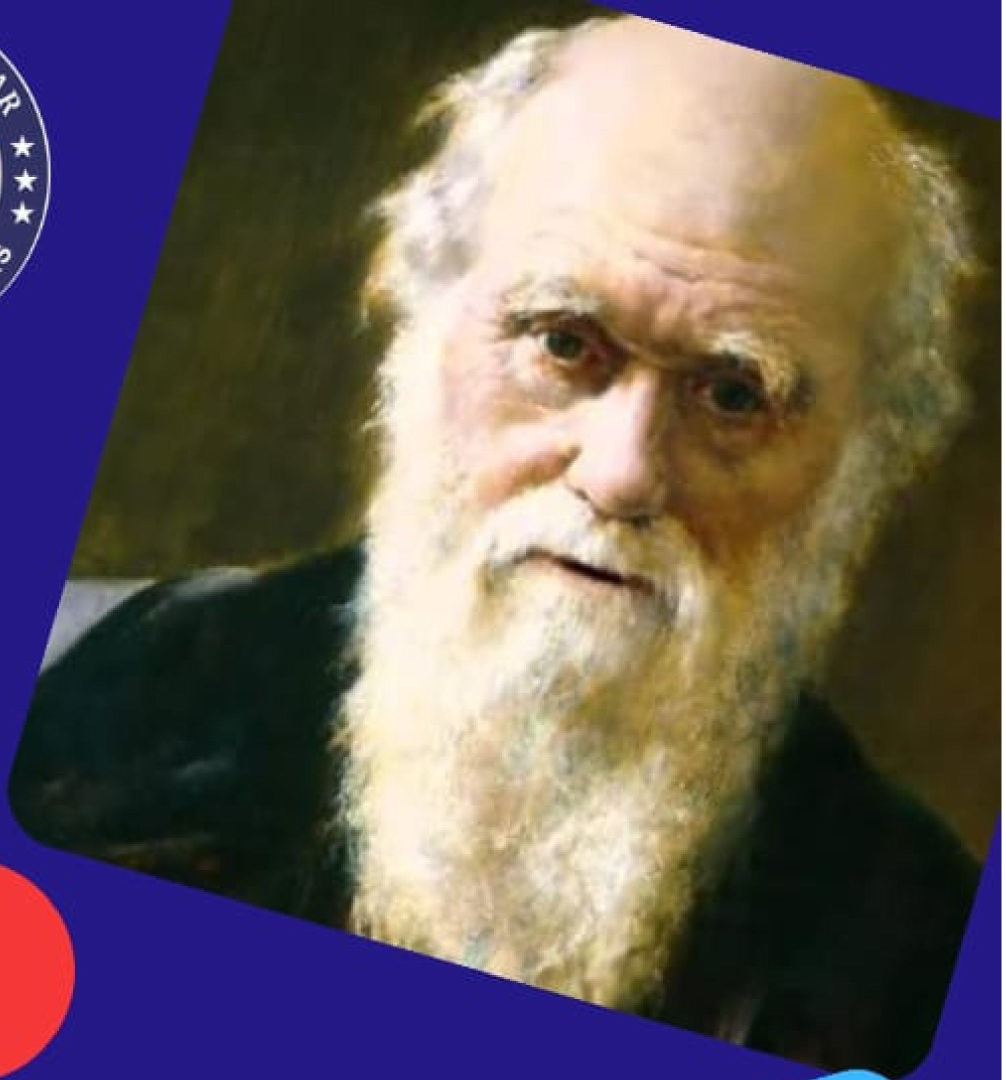

क्रमविकास के सिद्धांत का प्रतिपादन करने वाले, एक अंग्रेजी पदार्थविज्ञानी भूवैज्ञानिक, विशेषत: विज्ञान के विकास में अपने योगदान देने वाले

चार्ल्स डार्विन

जन्म-12 फरवरी 1809 - मृत्यु- 19 अप्रैल 1882

www.teachersofbihar.org

मधु प्रिया

यकृत दिवस
यकृत संबंधित
रोगों के बारे में
जागरूकता
फैलाने के लिए
मनाया जाता है।

विश्व यकृत दिवस

19 अप्रैल

मधु प्रिया

www.teachersofbihar.org

19 अप्रैल 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

व्यक्ति अपने विचारों की सिवाय कुछ नहीं है।

महात्मा गांधी

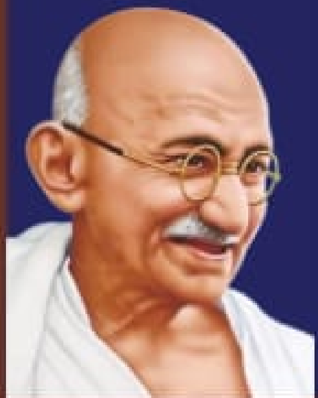

राकेश कुमार